नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
# महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
## जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.....  दिनांक :21.08.2020

## प्रकाशनार्थ

युगपुरुष ब्रह्मलीन दिग्विजयनाथ जी महाराज की 51 वीं तथा राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 6ठवीं पुण्य तिथि के अवसर पर महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के 5वें दिन **"21वीं सदी में नेतृत्व : सैन्य सेवा से सीख"** विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए भारतीय सेना के सेनानिवृत्त **लेफ्टिनेट जनरल दुष्यन्त सिंह** ने कहा कि नाथ पंथ और इसके योगियों ने सदैव ही जन कल्याण एवं समाज को सही दिशा दिखाने की भावना से समाज का हर स्तर पर नेतृत्व किया है। गोरक्षपीठ एक सिद्ध पीठ है। इसके पीठाधीश्वरों ने सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक धरातलों पर अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की कीमत पर समाज एवं राष्ट्र का मार्गदर्शन किया है। ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं अवेद्यनाथ जी महाराज का सम्पूर्ण जीवन सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं राजनैतिक नेतृत्वों से सरोबार है। अपनें ब्रह्मलीन पीठाधीश्वरों की इसी प्रखर परम्परा को आज पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज अपने कुशल नेतृत्व में पूरी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। **राष्ट्रधर्म सभी धर्मो से ऊपर है,** यह बात गोरक्षपीठ एवं उसके पीठाधीश्वरों के जीवन का मूल उद्देश्य रहा है।

मुख्य वक्ता ने आगे कहा कि 21 वीं सदी वैश्विक स्तर पर भारतीय नेतृत्व की सदी है। आज भारत वैश्विक स्तर पर कई दृष्टिकोणों से विश्व का नेतृत्व करता दिख रहा है। कोरोना महामारी के इस दौर में विश्व के तमाम देशों को दवा निर्यात की बात हो, या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भागीदारी की बात हो हर जगह हम भारत का नेतृत्व देख सकते हैं। आज देश का राजनैतिक नेतृत्व कितना मजबूत, दूरदर्शी और स्पष्ट है यह हम सभी देख रहे हैं। आज देश का हर दुश्मन भारत की ओर आँख उठाने में घबराता है। सीमा पर होने वाले विवादों और हिंसक झड़पों में आज भारत का राजनैतिक नेतृत्व मुँहतोड़ जवाब देता है। निःसन्देह आज का भारत विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है। भारतीय सेना विश्व की एक अनुशासित सेना है। सेवा, समर्पण, देशप्रेम और नेतृत्व इसकी पहचान है। सेना से सीखते हुए हम अपने नागरिक जीवन में अनुशासन और नेतृत्व के गुणों का विकास कर सकते हैं। खुद की भावना पर नियंत्रण रखते हुए दूसरे के भावनाओं को समझना एक अच्छे नेतृत्वकर्ता का गुण होना चाहिए। आज देश का राष्ट्रीय नेतृत्व प्रखर तो है ही, किन्तु हमें उससे कन्धें से कन्धा मिलाते हुए स्थानीय नेतृत्व को भी विकसित करना है। स्थानीय और राष्ट्रीय नेतृत्व के आपसी संयोजन के द्वारा ही हम समाज के साथ राष्ट्र को प्रगति और

समृद्धता के पथ पर अग्रसर कर सकते हैं, और यही हमारे ब्रह्मलीन पूज्य दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं पूज्य अवेद्यनाथ जी महाराज के श्री चरणों में हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इससे पूर्व महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लेफ्टिनेट जनरल (सेवानिवृत्त) दुष्यन्त सिंह का स्वागत किया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन एवं अतिथि आभार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने और कार्यक्रम का संचालन व्याख्यान–माला के संयोजक सुबोध कुमार मिश्र ने किया। महाविद्यालय के फेसबुक और यू–ट्यूब चैनल पर बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और श्रोतागणों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई।

**(सुबोध कुमार मिश्रा)**
संयोजक
सप्तदिवसीय व्याख्यान माला